संख्या-292/2025/769/41-2024/002-CN-1447522-2021

प्रेषक,

संजीव कुमार श्रीवास्तव,
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन,
उत्तर प्रदेश,लखनऊ।

पर्यटन अनुभाग-1 लखनऊ: दिनांक 24 मार्च, 2025

विषय- वित्तीय वर्ष 2024-25 में उत्तर प्रदेशप्रो-पुअर पर्यटन विकास परियोजना के सुचारू रूप से संचालन हेतु धनराशि को निवर्तन पर रखे जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं0-6415/प्रो-पुअर परि0/2024, दिनांक 11 नवम्बर,2024 एवं पत्र सं0-10726/प्रो-पुअर परि0/2025, दिनांक 17 मार्च, 2025का कृपयासन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम उत्तर प्रदेशप्रो-पुअर पर्यटन विकास परियोजना को क्लोज किये जाने तथा अवशेष प्रतिबद्ध व्यय धनराशि
रू0 1602.00 लाख का वहन प्रदेश सरकार द्वारा किये जाने हेतु शासन स्तर से अनुमति प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2- अवगत कराना है कि विश्व बैंक सहायतित् उत्तर प्रदेश प्रो-पुअर पर्यटन विकास परियोजना को क्लोज़ किये जाने एवं अवशेष प्रतिबद्ध व्ययों का वहन प्रदेश सरकार द्वारा किये जानेके सम्बन्ध में माननीय मंत्रि-परिषद् के अनुमोदनोपरान्त शासनादेश सं0-221/2025/738/41-1-2025/CN-1447522-2021-02(सा0)/2025, दिनांक
12 मार्च, 2025 निर्गत किया जा चुका है।

3- उल्लेखनीय है कि प्रश्नगत परियोजना हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में शासनादेश संख्या-660/2024/1687/41-2024/001-CN-1447522-2021, दिनांक 15-07-2024 द्वारा प्राविधानित धनराशि रू0 3800.00 लाख में से धनराशि रु0 1692.00 लाख को आपके निवर्तन पर रखी गयी है।

4- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विश्व बैंक सहायतित उत्तर प्रदेश प्रो-पुअर पर्यटन विकास की परियोजना के अवशेष प्रतिबद्ध व्ययों का वहन किये जाने हेतु धनराशि रु0 1602.00 लाख (रू0 सोलह करोड़ दो लाख मात्र)को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृतिप्रदान करते हैं:-

(1) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय विश्व बैंक सहायतित प्रो-पुअर टूरिज्म डेवलपमेन्ट की योजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-660/2024/1687/41-2024/001-CN-1447522-2021, दिनांक 15-07-2024 एवं पर्यटन अनुभाग-1, उत्तर प्रदेश शासन के शासनादेश संख्या-221/2025/738/41-1-2025/CN-1447522-2021-02(सा0)/2025, दिनांक 12 मार्च, 2025 तथा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में किये गये प्राविधानों/शर्तों का अक्षरश: अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए ही किया जायेगा।

(2) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का आवंटन मात्र किसी प्रकार के व्यय करने का प्राधिकार नही देता है। अत: जिन मामलों में उत्तर प्रदेश बजट मैनुअल और वित्तीय नियम संग्रह तथा स्थायी आदेशों के अन्तर्गत राज्य सरकार/केन्द्र सरकार अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जानी

1- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.inसे सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

आवश्यक हो, उन मामलों में व्यय करने के पूर्व सक्षम स्तर से ऐसी स्वीकृति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय। निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के समक्ष किये गये व्यय पर नियन्त्रण के सम्बन्ध में शासनादेश सं0 बी-1-1195।/दस-16/94, दिनांक 06 जून, 1994 द्वारा निर्गत निर्देशों का कडाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(3) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2024/बी-1-294/दस-2024-231/2024, दिनांक 04 मार्च, 2024 में निहित शर्तों एवं प्राविधानों के अन्तर्गत ही सुनिश्चित किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि जिस कार्य/मद हेतु प्रदान की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्यमद हेतु किया जायेगा, अर्थात स्वीकृत धनराशि का व्यय किसी अन्य प्रयोजन हेतु कदापि नहीं किया जायेगा। उक्त कार्यों को अनुमोदित लागत की सीमान्तर्गत ही कराया जायेगा तथा कार्यदायी संस्थाको अनुमोदित लागत के अतिरिक्त कोई अन्य धनराशि/चार्जेज नही दिया जायेगा। कार्य पूर्ण होने पर कार्यदायी संस्था से कार्य के सम्प्रेक्षित लेखे अवश्य प्राप्त कर लिये जायेंगे।

(4) प्रायोजना के निर्माण कार्य में वस्तु एवं सेवा कर (जी0एस0टी0) की धनराशि कार्यदायी संस्था को वास्तविक भुगतान के अनुसार नियमानुसार अनुमन्य होगी तथा इस सम्बन्ध में कार्यदायी संस्था द्वारा जी0एस0टी0 भुगतान के सम्बन्ध में सक्षम स्तर से प्रमाणिक प्रपत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

(5) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के सापेक्ष एकमुश्त आहरण नहीं किया जायेगाअपितु व्यय की आवश्यकतानुसार ही वित्त विभाग के नियमों/प्रावधानों के अन्तर्गत ही आहरित की जायेगी तथा कोषागार से आहरित धनराशि के बाउचर संख्या एवं तिथि की सूचना शासन एवं महालेखाकार, इलाहाबाद को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(6) प्रश्नगत धनराशि को आहरित कर किसी बैंक खाते में नहीं रखा जायेगा। प्रश्नगत परियोजना के सम्बन्ध में राजस्व पक्ष से सम्बन्धित व्ययों का भुगतान पूंजीगत पक्ष से न करके राजस्व पक्ष के लेखाशीर्ष के संगत मद में उपलब्ध प्रावधान से सुनिश्चित किया जायेगा। इस सम्बन्ध में शासन के पत्र संख्या-136/41-2018-99 यो0/2013 दिनांक 07 फरवरी 2018 में दिये गये परामर्श/निर्देश का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(7) प्रायोजना का सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात ही कार्य कराया जायेगा। कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों को महानिदेशक, पर्यटन द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा। व्यय प्रबन्धन एवं शासकीय व्यय में मितव्ययिता के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों का विशेष रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ-साथ राजकीय धन व्यय करने में उत्तर प्रदेश बजट मैनुअल के प्रस्तर-12 में दी गयी शर्तों की पूर्ति तथा वित्तीय औचित्य के मानकों (स्टैण्डर्डस आफ फाइनेन्शियल प्रोप्राइटी) का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। निवर्तन पर रखी गयी धनराशि के सापेक्ष व्यय की गयी धनराशि का नियमित मिलान महालेखाकार प्रयागराज से कराये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।

(8) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय किये जाने के पूर्व व्यय के मदों का निर्धारण सुनिश्चित कर लिया जायेगा तथा उस पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात ही व्यय किया जायेगा तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत प्रावधानों, दिये गये शर्तों एवं प्रतिबन्धों तथा वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों/आदेशों के अन्तर्गत सुनिश्चित किया जायेगा। बजट प्राविधान के सापेक्ष धनराशि की उपलब्धता का दायित्व महानिदेशक पर्यटन का होगा।

(9) उक्त परियोजना हेतु पूर्व में निवर्तन पर रखी गई धनराशियों का शतप्रतिशत उपयोग परियोजना के क्रियान्वयन हेतु निर्गत शासनादेशों एवं निर्धारित गाइडलाइन्स के अनुसार कर लिये जाने तथा व्यय की

1- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.inसे सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र सक्षम स्तर से प्राप्त होने पर संतुष्ट होने के पश्चात ही उपर्युक्त निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय सुनिश्चित किया जायेगा। इस सम्बन्ध में समस्त उत्तरदायित्व परियोजना से सम्बन्धित/नामित अधिकारियों एवं वित्त नियत्रक पर्यटन निदेशालय का होगा।

(10) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में ही सुनिश्चित किया जायेगा तथा यदि कोई धनराशि बचती है तो उसे इसी वित्तीय वर्ष में अनिवार्य रूप से शासन को समर्पित करते हुए राजकोष में जमा कराने की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी तथा स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र भी निर्धारित प्रपत्र पर सक्षम स्तर से शासन एवं महालेखाकार, इलाहाबाद को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(11) यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उपरोक्तांकित स्वीकृत योजनान्तर्गत कार्यों हेतु किसी अन्य स्रोतों से धनराशि प्राप्त न की गयी हो। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि इसयोजना की वर्तमान तथा भविष्य में अन्य योजनाओं में द्विरावृत्ति/पुनरावृत्ति न हो। परियोजना के अन्तर्गत सृजित सम्पत्ति के रख-रखाव का समुचित प्रबन्ध सुनिश्चित किया जायेगा। प्रश्नगत कार्य किसी अन्य कार्य योजना में सम्मिलित नहीं है तथा इस हेतु पूर्व में किसी अन्य योजना/श्रोत से धनराशि स्वीकृत नहीं की गयी है।

(12) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का उपयोग पूजीगत मदों यथा कन्स्ट्रक्सन्स/सिविल वर्क्स/परचेज से सम्बन्धित मदों पर धनराशि व्यय किये जाने के पूर्व बजट मैनुअल एवं समय-समय पर वित्त विभाग द्वारा निर्गत शासनादेशों एवं परियोजना के निर्धारित गाइड लाइन्स के अन्तर्गत परीक्षण करते हुए समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेंगी तथा यथावश्यकता शासन एवं वित्त विभाग का पूर्व अनुमोदन प्राप्तकरना भी सुनिश्चित किया जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा नियमानुसार किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि को बैंक खाते आदि में नही रखा जायेगा साथ ही निर्माण कार्य से सम्बन्धित समस्त कार्य लोक निर्माण विभाग तथा वित्त विभाग द्वारा निर्गत नियमों/ शासनादेशों के अन्तर्गत सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त कर ही सुनिश्चित किया जाय।

(13) परियोजना तथा निवर्तन पर रखी जा रही उक्त धनराशि के व्यय का अनुश्रवण महानिदेशक, पर्यटन स्तर पर नियमित रूप से सुनिश्चित किया जायेगा एवं वित्तीय तथा भौतिक प्रगति शासन को उपलब्ध करायी जायेगी। प्रश्नगत निर्माण कार्य के सम्परीक्षित लेखे भी अवश्य प्राप्त कर लिये जायेंगे एवं उक्त परियोजना के क्रियान्वयन हेतु धनराशि व्यय किये जाने में सोशल आडिट के प्राविधानों का भी अनुपालन सुनिश्चित कराया जायेगा। परियोजना के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों का सम्बन्धित कार्यदायी संस्था से कार्य के सम्परीक्षित लेखे अवश्य प्राप्त कर लिये जायेंगे। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि उक्त निर्माण कार्य के अन्तर्गत सृजित होने वाली परिसम्पत्तियों के रख-रखाव/अनुश्रवण हेतु उचित व्यवस्था रहे।

(14) प्रायोजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015-16, 2016-17, 2017-18, 2018-19, 2019-20**,** 2020-21**,** 2021-22**,**2022-23**,** 2023-24एवं 2024-25 में शासन द्वारा अवमुक्त की गयी धनराशि के सापेक्ष निर्माण कार्यो से इतर तथा निर्माण कार्यो में व्यय की गयी धनराशि का प्रामाणिक विवरण प्राप्त करते हुए महानिदेशक पर्यटन द्वारा यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि धनराशि का व्यय शासन के निर्देशों तथा संगत वित्तीय नियमों के अन्तर्गत ही किया गया है। योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्यो के डी0पी0आर0 के अप्रेजल आदि की कार्यवाही संगत वित्तीय नियमों के अन्तर्गत किये जाने की पुष्टि भी कर ली जायेगी तथा यदि इस पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त न किया गया हो तो अनुमोदन प्राप्त करने के बाद ही धनराशि व्यय की जायेगी।

(15) प्रायोजना की स्वीकृति मानक के सम्बन्ध में मुख्य परियोजना निदेशक, अपर मुख्य परियोजना निदेशक, परियोजना निदेशक एवं परियोजना समन्वयक, उत्तर प्रदेश प्रो-पुअर पर्यटन विकास

1- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.inसे सत्यापित की जा सकती है ।

परियोजना द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना/विवरण के आधार पर दी जा रही है। यदि परियोजना के मानक के सम्बन्ध में कोई सूचना गलत पायी जाती है तो इसका पूर्ण उत्तरदायित्व उत्तर प्रदेश प्रो-पुअर पर्यटन विकास परियोजना का होगा।

(16) उक्त शर्तों/प्रतिबन्धों का अनुपालन मुख्य परियोजना निदेशक, अपर मुख्य परियोजना निदेशक, परियोजना निदेशक एवं परियोजना समन्वयक, उत्तर प्रदेश प्रो-पुअर पर्यटन विकास परियोजना द्वारा सुनिश्चित कराया जायेगा। परियोजना के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की त्रुटि के लिए यही उत्तरदायी होंगे।

5- इस संबंध में होने वाला व्यय रूपये 16,02,00,000 (रूपये सोलह करोड़ दो लाख मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2024-25के आय-व्ययक में अनुदान संख्या 044 लेखा शीर्षक 5452801049701 आगरा ब्रज परिक्षेत्र एवं बौद्ध परिपथ में प्रो-पुअर पर्यटन विकास परियोजना मानक मद 24 वृहत् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

6- यह आदेश कंप्यूटर द्वारा उत्पन्न संख्या E-7-393-X-2024-25,दिनांक 24 मार्च, 2025 मे प्राप्त वित्त विभाग की सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय

(संजीव कुमार श्रीवास्तव)
उप सचिव।

<u>संख्या एवं दिनांक तदैव।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. महालेखाकार (लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
3. सचिव, आर्थिक कार्य मामले विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली।
4. सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली।
5. निजी सचिव,माननीय मंत्री, पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश।
6. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, न्याय/वित्त/आवास एवं शहरी नियोजन/ नियोजन/संस्कृति/वाह्य सहायतित परियोजना विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
7. मुख्य परियोजना निदेशक/अपर मुख्य परियोजना निदेशक/परियोजना निदेशक एवं परियोजना समन्वयक, उत्तर प्रदेश प्रो-पुअर पर्यटन विकास परियोजना।
8. कन्ट्री डायरेक्टर, विश्व बैंक, नई दिल्ली।
9. मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
10. वित्त नियत्रंक पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
11. प्रोजेक्ट डायरेक्टर, उत्तर प्रदेश प्रो-पुअर टूरिज्म डेवलपमेन्ट प्रोजेक्ट।
12. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-7 ।
13. गार्ड-फाइल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार श्रीवास्तव)
उप सचिव।

1- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.inसे सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in